

{ मूलपयडिअप्पाबहुगं दुविहं सत्थाणं परत्थाणं चेदि । तत्थ सत्थाणे पयदं -- सव्वत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाधाट्ठाणविसेसो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । चदुण्णं कम्माणमाबाधाट्ठाणविसेसो विसेसाहियो । आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । आउअस्स जहणिया आबाहा असंखेज्जगुणा । आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया । चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । }

< मूलप्रकृति अल्पबहुत्व दो प्रकार है -- स्वस्थान अल्पबहुत्व और परस्थान अल्पबहुत्व । उनमे यहाँ स्वस्थान अल्पबहुत्वका प्रकरण है -- सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । आयु कर्मकी जघन्य आबाधा असंख्यातगुणी है । आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । मोहनीय कर्मकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । >

{ एवं सुहुमेइंदिय पज्जत्त-बादरेइंदियअपज्जत्ताणं पि वत्तव्वं । बादरेइंदियपज्जत्तएसु सव्वत्थोवो णामा-गोदाणमाबाधाट्ठाणविसेसो । आबाधाट्ठाणाणि एकरूवेण विसेसाहियाणि । चदुण्णं कम्माणमाबाधाट्ठाणविसेसो विसेसाहियो । आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । मोहणीयस्स आबाधाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । आउअस्स जहणिया आबाहा असंखेज्जगुणा । णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया

आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। }

< इसी प्रकार सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तक और बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके भी कहना चाहिये। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकोंमें नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। आयुकी जघन्य आबाधा असंख्यातगुणी है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उनकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। >

{ बेइंदियअपज्जत्तयस्स सव्वत्थोवो णामा-गोदाणमाबाधाड्डाणविसेसो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। चदुण्णमाबाधाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। आउअस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा ** (ता प्रतौ 'कम्माणं आबाहा' इति पाठः।) विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। एवं तेइंदिय-चउरिंदिय-असण्णिपंचिंदियअपज्जत्ताणं च णेदव्वं। }

< द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान

एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। आबाधास्थान विशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। नाम व गोत्रकी आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। इसी प्रकार त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय और असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकके भी ले जाना चाहिये। >

{ सव्वत्थोवो बेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं आबाहाट्ठाणविसेसो। आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाधाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स आबाधाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाधाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। आउअस्स जहणिया आबाधा संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा ** (अ-आ-का प्रतिषु 'णामागोदाणं संखेज्जगुणा' इति पाठो नास्ति, ता प्रतौ त्वस्ति सः।) उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। एवं तेइंदिय-चउरिंदिय-असण्णिपंचिंदियपज्जत्ताणं पि णेदव्वं। }

< द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक विशेष है। आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे

विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। इसी प्रकार त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय और असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके भी ले जाना चाहिये। >

{ सव्वत्थोवा सण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स आउअस्स जहणिया आबाहा। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणमाबाधाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणमाबाधाद्वाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाधाद्वाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स आबाहाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। }

< संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके आयुकी जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है।

>

{ सण्णिपंचिंदियअपज्जत्तयस्स आउअस्स सव्वत्थोवा जहणिया आबाहा। आबाहाद्वाण** (ता प्रतौ 'जह० आबाहा। (आबाहा)द्वाण' इति पाठः।) विसेसो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा

संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणमाबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो
विसेसाहिओ। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया।
मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि।
उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। एवं सत्थाणप्पाबहुगं समत्तं। }

< संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकके आयुकी जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है।
आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट
आबाधाविशेष अधिक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। चार कर्मोंकी जघन्य
आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। नाम व गोत्रका
आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा
विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे
विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष
संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है।
इस प्रकार स्वस्थान अल्पबहुत्व समाप्त हुआ। >

{ परत्थाणे पयदं -- सब्वत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाड्डाणविसेसो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-
गोदाणमाबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। चदुण्णं
कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स
आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि।
सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स णामागोदाणमाबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण

समुपलभ्यते)। चदुण्णं कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। तस्सेव पज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। चोदसण्हं जीवसमासाणमाउअस्स जहणिया आबाहा
संखेज्जगुणा। सत्तण्णं पि अपज्जत्तजीवसमासाणमाउअस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया।
सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स आउअस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। बादरेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं
जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा
विसेसाहिया। बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स ** (अ-आ-का प्रतिषु 'पज्ज०' इति पाठः।) णामा-गोदाणं
जहणिया आबाहा विसेसाहिया। सुहुमेइंदियअपज्जयत्तस्स ** (म प्रति पाठोऽयम्। अ-आ-का
प्रतिषु 'सुहुमेइंदियपज्ज०' इति पाठः।) णामा-गोदाणं जहणिया ** (का प्रतौ 'णामा-
गोदाणमुक्क' इति पाठः।) आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव ** (ता प्रतौ 'सुहुमेइंदियपज्ज० णामा
गोदाणं जह० आबाहा विसे० : (बादरेइंदियपज्ज० णामागोदाणं जह० आबाहा विसेसाहिया।
सुहुमेइंदिय ० विसे०' तत्सेव इति पाठः।) णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया।
बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स
उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। बादरेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमुक्कस्सिया आबाहा
विसेसाहिया। बादरेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया।
सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया।
सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया।
बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स जहणिया आबाहा विसेसाहिया। सुहुमेइंदियअपज्जयत्तस्स चदुण्णं
कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं उक्कस्सिया
आबाहा विसेसाहिया। बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणं उक्कस्सिया आबाहा
विसेसाहिया। सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमुक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया।

आबाहा विसेसाहिया। चउरिंदियपज्जत्तयस्स आउअस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया।
बेइंदियपज्जत्तयस्स आउअस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। सण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणं
आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया
आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव पज्जत्तयस्स चदुण्णं कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। तस्सेव
पज्जत्तयस्स मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण
विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। बादरेइंदियपज्जत्ताणमाउअस्स
आबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया
आबाहा विसेसाहिया। सण्णि-असण्णिपज्जत्ताणमाउअस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। }

< अब परस्थान अल्पबहुत्वका प्रकरण है -- सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका
आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका
आबाधास्थान विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थान विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक
रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थान संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे
विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा
है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक
है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है।
सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान
एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान
एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक
रूपसे विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष
संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष
विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष

पर्याप्तकके मोहनीयका आबाधास्थान विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तकोंके आयुका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। संज्ञी व असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकोंके आयुका आबाधास्थान संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। >

{ संपहि एदेण सुत्तेण परुविददो वि अप्पाबहुअदंडयाणि जुगवं वत्तइस्सामो। तं पि उभयदो अप्पाबहुअं दुविहं -- अब्बोगाढअप्पाबहुअं मूलपयडिअप्पाबहुअं चेदि। तत्थ अब्बोगाढप्पाबहुअं दुविहं -- सत्थाण परत्थाणं चेदि। तत्थ सत्थाणे पयदं -- सब्बत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरुवेण विसेसाहियाणि। जहणिया आबाहा असंखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। द्विदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरुवेण विसेसाहियाणि। जहणओ द्विदिबंधो असंखेज्जगुणो। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहियो। एवं सुहुमेइंदियपज्जत्त-बादरेइंदियपज्जत्तापज्जत्ताणं च णेदव्वो। }

< अब इस सूत्रसे प्ररूपित दोनों ही अल्पबहुत्वदण्डकोंको एक साथ कहते हैं। वह दोनों प्रकारका अल्पबहुत्व अब्बोगाढअल्पबहुत्व और मूलप्रकृतिअल्पबहुत्वके भेदसे दो प्रकार है। उनमें अब्बोगाढअल्पबहुत्व दो प्रकार है -- स्वस्थान अल्पबहुत्व और परस्थान अल्पबहुत्व। उनमें स्वस्थान अल्पबहुत्वका प्रकरण है -- सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक हैं। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक हैं। जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इसी प्रकार सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तों और बादर एकेन्द्रिय पर्याप्तों व अपर्याप्तोंके भी ले जाना चाहिये। >

{ सब्बत्थोवो बेइंदियअपज्जत्तयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरुवेण विसेसाहियाणि। जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। द्विदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरुवाहियाणि। जहणओ द्विदिबंधो

संखेज्जगुणो । उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ । एवं बेइंदियपज्जत्त-तेइंदिय-चउरिंदिय-
असण्णिपंचिंदियपज्जत्तापज्जत्ताणं च णेदव्वं । }

< द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकके आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक हैं । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । इसी प्रकार द्वीन्द्रिय पर्याप्तकों तथा त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय व असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकों व अपर्याप्तकोंके भी ले जाना चाहिये । >

{ सब्वत्थोवा सण्णिपंचिंदियअपज्जत्तयस्स जहण्णिया आबाहा आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया । जहण्णओ द्विदिबंधो असंखेज्जगुणो । द्विदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ । एवं सण्णिपज्जत्ताणं पि णेदव्वं । }

< संज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकके जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है । आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । इसी प्रकार संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकोंके भी जानना चाहिये । >

{ परत्थाणे पयदं -- सब्वत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । बादरेइंदियअपज्जत्तयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । सुहुमेइंदियपज्जत्तयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि । }

जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। द्वीन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उसीके अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। त्रीन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकका उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। शेष तीन पदोंकी प्ररूपणा द्वीन्द्रियके समान है। असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। शेष तीन पदोंकी प्ररूपणा द्वान्द्रियके समान है। संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उसीके अपर्याप्तकका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उसीके अपर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उसीके पर्याप्तकका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इस प्रकार अव्वोगाढअल्पबहुत्व समाप्त हुआ। >

 { मूलपयडिअप्पाबहुअं दुविहं -- सत्थाणं परत्थाणं चेदि। तत्थ सत्थाणे पयदं -- सव्वत्थोवो सुहुमेइंदियअपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि ** (ता प्रतौ 'एगरूवेणहियाणि' इति पाठः।)। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहियो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। आउअस्स जहणिया आबाहा असंखेज्जगुणा। जहण्णओ द्विदिबंधो असंखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स द्विदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि विसेसाहियाणि। उक्कस्सओ

द्विदिबंधो विसेसाहिओ । णामा-गोदाणं द्विदिबंधद्वाणविसेसो असंखेज्जगुणो । द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणं द्विदिबंधद्वाणविसेसो विसेसाहिओ । द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स द्विदिबंधद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो । द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि । णामा-गोदाणं जहण्णओ द्विदिबंधो असंखेज्जगुणो । उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ । चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ । उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ । मोहणीयस्स जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो । उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ । एवं सुहुमेइंदियपज्जत्तबादरेइंदियअपज्जत्ताणं च णेदव्वं ।

}

< मूलप्रकृतिअल्पबहुत्व दो प्रकार है -- स्वस्थान अल्पबहुत्व और परस्थान अल्पबहुत्व । इनमेंसे स्वस्थान अल्पबहुत्वका प्रकरण है -- सूक्ष्म एकेन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है । चार कर्मोंका आबाधास्थान विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है । मोहनीयका आबाधास्थान संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । आयुकी जघन्य आबाधा असंख्यातगुणी है । जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है । उनकी उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है । चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है । मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है । नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है ।

उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इसी प्रकार सूक्ष्म एकेन्द्रिय पर्याप्तकों और बादर एकेन्द्रिय अपर्याप्तकोंके भी जानना चाहिये। >

{ सव्वत्थोवो बादरेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्टाणविसेसो। आबाहाट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्टाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्टाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। आउअस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। तस्सेव जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। आबाहाट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स द्विदिबंधट्टाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं द्विदिबंधट्टाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं द्विदिबंधट्टाणविसेसो विसेसाहिओ। द्विदिबंधट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स द्विदिबंधट्टाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्टाणाणि एगरूवाहियाणि। णामा-गोदाणं जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स जहण्णओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। एवं तेइंदिय-चउरिंदिय-असण्णि** (अ-आ-का प्रतिषु 'तेइंदिय-असण्णि', ता प्रतौ 'तेइंदिय (चउरिंदिय) असण्णि' इति पाठः।)पंचिदियअपज्जत्ताणं पि णेयव्वं। }

< द्वीन्द्रिय अपर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थान विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उसीका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष

अधिक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एकरूपसे अधिक है। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थान विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थान संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इसी प्रकार त्रीन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय और असंज्ञी पंचेन्द्रिय अपर्याप्तकोंके भी जानना चाहिये। >

{ सव्वत्थो वो बेइंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एकरूवाहियाणि। आउअस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। द्विदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं द्विदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं द्विदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। मोहणीयस्स द्विदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। णामा-गोदाणं जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। उक्कस्सओ

द्विदिबंधो विसेसाहिओ । मोहणीयस्स जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो । उक्कस्सओ द्विदिबंधो
विसेसाहिओ ।

एवं तेइंदिय-चउरिंदियपज्जत्ताणं पि ** (अ-का-ता प्रतिषु 'पि' इत्येतत्पदं नोपलभ्यते ।)
णेयव्वं । }

< द्वीन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थान सबसे स्तोक है । आबाधास्थान एक
रूपसे अधिक है । चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है । आबाधास्थान एक रूपसे
अधिक है । मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है ।
आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । नाम व गोत्रकी
जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा
विशेष अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है ।
उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है । आबाधास्थान
एक रूपसे अधिक है । उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है । स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है ।
स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । नाम व गोत्रका
स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है । स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है । चार कर्मोंका
स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है । मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है ।
स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है । नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है ।
उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है ।
मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है । उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है । इसी
प्रकार त्रीन्द्रिय और चतुरिन्द्रिय पर्याप्तकोंके भी ले जाना चाहिये । >

{ सव्वत्थोवो असण्णिपंचिंदियपज्जत्तयस्स णामा-गोदाणमाबाहाड्डाणविसेसो ।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवाहियाणि । चदुण्णं कम्माणमाबाहाड्डाणविसेसो विसेसाहिओ ।
आबाहाड्डाणाणि एगरूवाहियाणि । मोहणीयस्स आबाहाड्डाणविसेसो संखेज्जगुणो । आबाहाड्डाणाणि
एगरूवाहियाणि । आउअस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । जहण्णओ द्विदिबंधो
संखेज्जगुणो । णामा-गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा । उक्कस्सिया आबाहा

विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। द्विदिबंधद्वाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं द्विदिबंधद्वाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। चदुण्णं कम्माणं द्विदिबंधद्वाणविसेसो विसेसाहिओ। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। णामा-गोदाणं जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। (उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ।) मोहणीयस्स जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। }

< असंज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष सबसे स्तोक है। आबाधास्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। आयुकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान विशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। (उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है।) मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। >

{ सव्वत्थोवा सण्णिपंचिंदियअपज्जत्तयस्स आउअस्स जहणिया आबाहा। जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एकरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। णामा-गोदाणं जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। चदुण्णं कम्माणं जहणिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहणिया आबाहा संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणमाबाहाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्णं कम्माणमाबाहाद्वाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स आबाहाद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स द्विदिबंधद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं द्विदिबंधद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं द्विदिबंधद्वाणविसेसो विसेसाहिओ। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स द्विदिबंधद्वाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधद्वाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। }

< संज्ञी पंचेंद्रिय अपर्याप्तकके आयुकी जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है। जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। चार कर्मोंकी जघन्य आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध असंख्यातगुणा है। चार कर्मोंका

जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। >

{ सव्वत्थोवा सण्णिपंचिदियपज्जत्तयस्स आउअस्स जहण्णिया आबाहा। तस्सेव जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा गोदाणं जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। चदुण्णं कम्माणं जहण्णिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स जहण्णिया आबाहा संखेज्जगुणा। णामा-गोदाणमाबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। चदुण्ण कम्माणमाबाहाट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। मोहणीयस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवेण विसेसाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। आउअस्स आबाहाट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। आबाहाट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सिया आबाहा विसेसाहिया। द्विदिबंधट्ठाणविसेसो असंखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। णामा-गोदाणं जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। चदुण्णं कम्माणं जहण्णओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स जहण्णओ द्विदिबंधो संखेज्जगुणो। णामा-गोदाणं द्विदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। चदुण्णं कम्माणं द्विदिबंधट्ठाणविसेसो विसेसाहिओ। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। मोहणीयस्स द्विदिबंधट्ठाणविसेसो संखेज्जगुणो। द्विदिबंधट्ठाणाणि एगरूवाहियाणि। उक्कस्सओ द्विदिबंधो विसेसाहिओ। एवं सत्थाणप्पाबहुगं समत्तं। }

< संज्ञी पंचेन्द्रिय पर्याप्तकके आयुकी जघन्य आबाधा सबसे स्तोक है। उसीका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। चार कर्मोंकी जघन्य

आबाधा विशेष अधिक है। मोहनीयकी जघन्य आबाधा संख्यातगुणी है। नाम व गोत्रका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। चार कर्मोंका आबाधास्थानविशेष विशेष अधिक है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। आयुका आबाधास्थानविशेष संख्यातगुणा है। आबाधास्थान एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट आबाधा विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थानविशेष असंख्यातगुणा है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। नाम व गोत्रका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। चार कर्मोंका जघन्य स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका जघन्य स्थितिबन्ध संख्यातगुणा है। नाम व गोत्रका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थानविशेष एक रूपसे अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। चार कर्मोंका स्थितिबन्धस्थानविशेष विशेष अधिक है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। मोहनीयका स्थितिबन्धस्थानविशेष संख्यातगुणा है। स्थितिबन्धस्थान एक रूपसे विशेष अधिक है। उत्कृष्ट स्थितिबन्ध विशेष अधिक है। इस प्रकार स्वस्थान अल्पबहुत्व समाप्त हुआ। >